

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु वज्जिज्ञान वशिववदियालय (जोबनेर) जयपुर वधियक-2023 ध्वनमित से पारति

चर्चा में क्यों?

20 जुलाई, 2023 को राजस्थान वधानसभा में राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु वज्जिज्ञान वशिववदियालय (जोबनेर) जयपुर वधियक-2023 को चर्चा के बाद ध्वनमित से पारति कर दिया गया।

परमुख बडि

- कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने वधानसभा में इस वधियक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि खेती एवं पशुपालन सेक्टर का जीडीपी में योगदान बढ़ाने की मंशा से यह वधियक लाया गया है।
- उन्होंने कहा कि पशुधन को बचाने एवं पशु चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये जोबनेर में राज्य का दूसरा पशु चिकित्सा एवं पशु वज्जिज्ञान वशिववदियालय खोला जा रहा है। वशिववदियालय की स्थापना से ग्रामीण परिवारों के बच्चों को भी पशु चिकित्सा एवं पशु वज्जिज्ञान की आधुनिकतम तकनीक से युक्त शिक्षा ग्रहण करने का अवसर मिलेगा।
- उन्होंने कहा कि राजस्थान देश का ऐसा पहला राज्य होगा, जहाँ दो पशु चिकित्सा एवं पशु वज्जिज्ञान वशिववदियालय होंगे। बीकानेर में स्थिति पशु चिकित्सा एवं पशु वज्जिज्ञान वशिववदियालय के अधिकार क्षेत्र में 16 ज़िले होंगे, जबकि जोबनेर में स्थापति होने वाले नये वशिववदियालय का अधिकार क्षेत्र 17 ज़िलों का होगा।
- कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने बताया कि राज्य में 5 लाख 66 हजार पशुधन एवं 1 लाख 46 हजार कुक्कुट संपदा है। भारत सरकार के नये आँकड़ों के अनुसार दूध उत्पादन में प्रदेश का पहला स्थान है।
- इससे पहले वधियक को जनमत जानने के लिये परचालति करने का प्रस्ताव सदन ने ध्वनमित से अस्वीकार कर दिया।